हिन्दी पखवाड़ा का समापन

जोधपुर
30 सितम्बर 2025

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्यौगिकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान, क्षेत्र-II, जोधपुर में दिनांक 13 सितम्बर से 30 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया, आज इस पंद्रह दिविसीय पखवाडा का समापन समारोह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य महिपाल सिंह राठौड़, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा बल्कि हमारे दिल की धड़कन है और कार्यालय और दैनिक जीवन में हिन्दी का प्रयोग करते समय हमें गर्व की अनुभूति होनी चाहिए। हिन्दी एक सरल और सरस भाषा है, और आम आदमी की भाषा है। उन्होंने कहा की आजादी के समय से ही राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने कहा था कि हिन्दी ही केवल राजभाषा और राष्ट्रभाषा हो सकती है। हिन्दी न केवल राष्ट्रिय स्तर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव लगातार बढ़ा रही है और आज हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे लोकप्रिय भाषा है। उन्होंने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के विभिन्न प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि इस संस्थान में भी किसानों तक कृषि की नवीनतम तकनीकों की जानकारी को पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक हिन्दी भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

इस अवसर बोलते हुए संस्थान के निदेशक डॉ जय प्रकाश मिश्र ने कहा कि हम राजभाषा के अनुसार क्षेत्र वर्गीकरण में 'क' क्षेत्र में आते है, इसलिए हमें कार्यालय कार्य और दैनिक जीवन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाना चाहिये। हिन्दी में ही पत्राचार और फाइल पर टिप्पणी को यदि नियमित रूप से करेंगे तो निश्चित रूप से हम हिन्दी की बेहतर सेवा कर पाएंगे। उन्होंने कहा की यदि हम हिन्दी का एक शब्द रोज अपने शब्दकोष में जोड़े तो एक वर्ष में हम 365 नए शब्द जोड़ लेंगे।

इस अवसर पर कार्यालय के राजभाषा अधिकारी डॉ प्रेम पाल रोहिल्ला, प्रधान वैज्ञानिक (पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन) ने स्वागत उद्बोधन दिया और हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि और कार्यक्रम अध्यक्ष ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए.

कार्यक्रम में संस्थान सभी कर्मचारियों और अधिकारीयों ने उत्साह से भाग लिया, सञ्चालन डॉ बाबूलाल जांगिड़, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने किया और अंत में धन्यवाद प्रस्ताव राजभाषा सचिव, राजेंद्र बैंदा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी) ने पेश किया।

स्रोत: भाकृअनुप-कृषि प्रौद्यौगिकी अनुप्रयोग अनुसन्धान संस्थान, क्षेत्र-II, जोधपुर